भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1370

30 जुलाई, 2024 को उत्तरार्थ

विषय: आंध्र प्रदेश में चावल किसानों की आय

1370. डॉ. बायरेड्डी शबरीः

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास आंध्र प्रदेश के चावल किसानों की आय बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में आंकड़े हैं; और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार के पास पिछले पांच वर्षों के दौरान मसूरी चावल के उत्पादन के बारे में आंकड़े हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार पनयम को नर्सरी के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र और इस क्षेत्र में आगे विकास की संभावना को रूप में मान्यता देती है; और

(घ) यदि हां, तो पनयम में नर्सरी उद्योग को समर्थन और बढ़ाने के लिए सरकारी सब्सिडी, निवेश और आधुनिक कार्यान्वयन के अवसरों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क): सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन-चावल (एनएफएसएम-राइस) कार्यक्रम क्रियान्वित कर रही है। इस कार्यक्रम का एक उद्देश्य किसानों के बीच विश्वास बहाल करने के लिए कृषि स्तर की अर्थव्यवस्था (यानी कृषि लाभ) को बढ़ाना है। वर्तमान में, एनएफएसएम-चावल कार्यक्रम आंध्र प्रदेश के 5 जिलों सहित 25 राज्यों के 194 चिन्हित जिलों में क्रियान्वित किया जा रहा है।

एनएफएसएम-चावल कार्यक्रम के तहत, किसानों के खेतों में क्लस्टर फ्रंट लाइन प्रदर्शनों/फसल प्रणाली आधारित प्रदर्शनों के माध्यम से नवीनतम फसल उत्पादन और सुरक्षा प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसमें नई जारी की गई किस्में/हाइब्रिड, तनाव सहनशील/जलवायु अनुकूल किस्में और धान की बायो-फोर्टिफाइड किस्में शामिल हैं। आईएनएम और आईपीएम तकनीकों, पानी के कुशल उपयोग के लिए जल बचत उपकरणों को बढ़ावा देने, कृषि कार्यों के लिए बेहतर कृषि उपकरणों/औजारों और किसानों की क्षमता वर्धन पर भी ध्यान दिया जा रहा है। किसानों की क्षमता वर्धन के तहत, एनएफएसएम-चावल कार्यक्रम के तहत फसल उत्पादन तकनीकों और जागरूकता पर प्रशिक्षण दिया जाता है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत राज्यों को अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं/प्राथमिकताओं के लिए लचीलापन भी प्रदान करता है।

(ख): कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा मसूरी चावल के उत्पादन के अलग से आंकड़े नहीं रखे जाते हैं, लेकिन आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार पिछले 5 वर्षों के लिए मसूरी चावल का उत्पादन निम्नलिखित है:

मसूरी चावल का उत्पादन (लाख मीट्रिक टन में)				
2019-20	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**
39.98	38.88	35.08	41.76	24.79

(ग) और **(घ)**: आंध्र प्रदेश के नंदयाल जिले के पनयम मंडल में बागवानी और पुष्पकृषि नर्सरियों के लिए अच्छी संभावनाएं हैं और क्षेत्र के अधिकांश चावल किसान इन नर्सरियों के माध्यम से अपनी आय में वृद्धि कर रहे हैं। समेकित बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) नामक एक केंद्रीय प्रायोजित योजना वर्ष 2014-15 से क्रियान्वित की जा रही है, जिसका उद्देश्य फलों, सब्जियों, कंद और मूल फसलों, मशरूम, मसालों, फूलों, सुगंधित पौधों, नारियल, काजू, कोको और बांस को कवर करते हुए बागवानी क्षेत्र के समग्र विकास करना है। सभी राज्य और संघ राज्य क्षेत्र एमआईडीएच के अंतर्गत कवर हैं। उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उत्पादन और वितरण तथा अधिक लागत वाली फल फसलों के रोपण सामग्री के लिए, नई हाई-टेक नर्सरियों, छोटी नर्सरियों, टिशू कल्चर (टीसी) इकाइयों की स्थापना और मौजूदा टीसी इकाइयों के उन्नयन के लिए एमआईडीएच के अंतर्गत सहायता प्रदान की जाती है।

******